दुर्ग जिले में प्रजननता के निर्धारक : शैक्षणिक स्तर

✧ डॉ. अनिल कुमार मिश्रा

आधुनिक युग में षिक्षा निर्विवाद रूप से व्यक्ति, समाज, क्षेत्र एवं राष्ट्र सभी स्तरों पर सामाजिक एवं आर्थिक विकास का मूल आधार है । एक समाज कितना सभ्य और सुसंस्कृत है तथा नए विचारों को कितनी शीघ्रता से ग्रहण करने में सक्षम है, यह उनकी शिक्षा तथा शैक्षणिक स्तर पर निर्भर है। शिक्षा प्रजननता को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है। शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ–साथ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक तथा जनांकिकीय परिवर्तन हो जाते हैं, परिणामस्वरूप प्रजननता दर में निश्चित रूप से कमी आती है ।

mn~ns';&प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य दुर्ग जिले की ग्रामीण जनसंख्या में शैक्षणिक स्तर का प्रजननता पर प्रभाव की व्याख्या करना है ।

ifjdYiuk&पति एवं पत्नी के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ प्रजननता दर घटती है ।

v/;;u {ks=&यह अध्ययन छत्तीसगढ राज्य के दुर्ग जिले (20° 22′ 30″ से 22° 1′ 30″ उत्तरी अक्षांस तथा 80° 49′ 20″ से 81° 56′32″ पूर्वी देशांतर)के ग्रामों में शैक्षणिक स्तर का प्रजननता पर प्रभाव से संबंधित है ।

vkdMks dk lzksr ,oa fof/k rU=–प्रजननता संबंधी विश्वसनीय ऑकडों की सामान्यतः कमी है । अतः यह अध्ययन प्राथमिक ऑंकडों पर आधारित है। ऑंकडों का संकलन व्यक्तिगत सर्वेक्षण द्वारा किया गया है । इस हेतु दुर्ग जिले के 17 ग्रामों का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन द्वारा किया गया है । अनुसूची के माध्यम से चयन किए गए ग्रामों की सभी विवाहित महिलाओं (2547) से प्रजननता एवं शैक्षणिक स्तर संबंधी सूचना एकत्र की गई है ।

efgykvksa dk 'kS{kf.kd Lrj vkSj iztuurk&सामान्यतया प्रजननता दर उन महिलाओं में सबसे कम होती है जिनका शैक्षणिक स्तर उच्च होता है। शिक्षा महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक स्तर का प्रतिरूप एवं आधुनिकीकरण का मापदण्ड होता है ।

दुर्ग जिले में 51.8 प्रतिशत महिलाएँ साक्षर हैं । अध्ययन क्षेत्र में निरक्षर महिलाओं में प्रति स्त्री बच्चों की संख्या 3. 61 है, वहीं साक्षर महिलाओं में यह संख्या घटकर 2.76 प्रति स्त्री हो गया है (सारणी 1) । शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ प्रति स्त्री बच्चों में कमी हुई है । प्राथमिक स्तर से कम साक्षर महिलाओं में प्रति स्त्री बच्चों की संख्या 3.10 है । इसके विपरीत हाईस्कूल और उससे अधिक शिक्षित महिलाओं में प्रति स्त्री बच्चों की संख्या मात्र 1.84 है ।

अनुसूचित जनजाति की प्राथमिक स्तर से कम शिक्षित महिलाओं में प्रति स्त्री बच्चों की संख्या 2.92 है यह संख्या माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में आधे से भी कम (1.38 प्रति स्त्री) हो गया है । अनुसूचित जाति में प्राथमिक स्तर से कम शिक्षित महिलाओं में 3.03 प्रति स्त्री बच्चों की संख्या है जो माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में प्रति स्त्री बच्चों की संख्या घटकर 2.20 प्रति स्त्री हो गई है । अतः प्रजननता पर शिक्षा का प्रभाव अनुसूचित जनजाति की महिलाओं में अधिक है। दुर्ग जिले में महिला के शैक्षणिक स्तर और प्रजननता के मध्य विपरीत सहसंबंध (–.2508) पाया गया (N= 2547) ।

lkj.kh 1

nqxZ ftyk % efgykvksa esa lk{kjrk ,oa iztuurk

'kS{kf.kd Lrj	Ekfgykvksa dh la[;k	lthfo tUes cPps	lkfr L=h cPps
हाईस्कूल और उससे अधिक	68	125	1.84
मध्यमिक	147	300	2.04
प्राथमिक	247	563	2.28
बिना षैक्षणिक स्तर के साक्षर	856	2656	3.10
कुल साक्षर	1318	3644	2.76
कुल निरक्षर	1229	4436	3.61
dqy	2547	8080	3-17

स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण

'kS{kf.kd Lrj ,oa fookg dh izHkkoh vk;q&महिला के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ विवाह की आयु में वृद्धि होती है अतः पुररूत्पादन अवधि कम होने के कारण प्रजनननता दर में कमी आती है । दुर्ग जिले में महिलाओं की विवाह की औसत प्रभावी आयु 15.0 वर्ष है (सारणी 2)। निरक्षर महिलाओं के विवाह की आयु 14.0 वर्ष है । प्राथमिक स्तर से कम साक्षर महिलाओं में विवाह की आयु बढकर 16.0वर्ष है। जो कि निरक्षर महिलाओं की विवाह की आयु से 2.0 वर्ष अधिक है । प्राथमिक (17.0वर्ष) एवं माध्यमिक (18.0 वर्ष) पर महिलाओं के विवाह की आयु में भी 1.0 वर्ष का अंतर है । उल्लेखनीय है कि स्नातक एवं उससे अधिक शिक्षित महिलाओं में विवाह की प्रभावी आयु सबसे अधिक (21.0वर्ष) है । निष्कर्प में, शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ महिलाओं की विवाह की आयु में वृद्धि हुई है । किन्तु यह वृद्धि हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी शिक्षित महिलाओं में महत्वपूर्ण है ।

lkj.kh 2

nqxZ ftyk %'kS{kf.kd Lrj ,oa fookg dh izHkkoh vk;q

'kS{kf.kd Lrj	Ekfgykvksa dh la[;k	fookg dh izHkkoh vk;q ¼o'kZ½
स्नातक एवं उससे अधिक	09	21.0
हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी	59	20.0
माध्यमिक	147	18.0
प्राथमिक	245	17.0
बिना षैक्षणिक स्तर के साक्षर	856	16.0
निरक्षर	1231	14.0
dqy	2547	15-0

स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण :

'kS{kf.kd Lrj ,oa cky eR;qrk&महिलाओं के षैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ शिशु एवं बाल मृत्युता दर में कमी होती

है । निरक्षर महिलाओं में शिशु एवं बाल मृत्युता दर अधिक होता है, क्योकि निरक्षर महिलाएं बच्चों के स्वास्थ्य का देखभाल ठीक से नहीं कर पाती है, और बाल मृत्युता दर अधिक होने से प्रजननता दर अधिक होती है । दुर्ग जिले में बाल मृत्युता दर 138.4 प्रति हजार है। निरक्षर महिलाओं में बाल मृत्युता दर 160.5 प्रति हजार बच्चे हैं जबकि प्राथमिक स्तर से कम साक्षर महिलाओं में यह दर 25.2 प्रतिशत घटकर 120.1 प्रति हजार हो गया है (सारणी 3)। प्राथमिक स्तर तक शिक्षित महिलाओं में प्राथमिक स्तर से कम शिक्षित महिलाओं की तुलना में बाल मृत्युता दर में 15.7 प्रतिशत की कमी हुई है । माध्यमिक स्तर (70.0 प्रति हजार) तक शिक्षित महिलाओं में बाल मृत्युता दर में 30.8 प्रतिशत की कमी आई है । उल्लेखनीय है कि निरक्षर से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं की बाल मृत्युता दर में 56.4 प्रतिशत की कमी हुई है । अतः निष्कर्षतः महिलाओं के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ बाल मृत्युता दर में कमी आती है, जिससे प्रजननता प्रभवित होती है। दुर्ग जिले में महिला के शैक्षणिक स्तर एवं बाल मृत्युता दर के मध्य विपरीत सहसंबंध (–.1853) पाया गया (N= 2547) ।

lkj.kh 3

n|x ftyk % 'k{kf.kd Lrj ,o cky eR;|rk nj

'k{kf.kd Lrj	Ekr cPp	dy thfor tUe cPp	Ckky eR;rk nj ¼ifr gtkj½
हाई स्कूल ˙ उससे अधिक	09	125	72.0
माध्यमिक	21	300	70.0
प्राथमिक	57	563	101.2
बिना षैक्षणिक स्तर के साक्षर	319	2656	120.1
निरक्षर	713	4436	160.5
dy ;kx	1119	8080	138-4

स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण :

ifr dk 'k{kf.kd Lrj vkj ituurk

पति की शिक्षा प्रजननता को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है । साक्षर पति की तुलना में निरक्षर पति की पत्नियों में प्रजनतना दर अधिक होती है । दुर्ग जिले में (76.9प्रतिशत) लगभग तीन चौथाई पति साक्षर है। साक्षरता की तुलना में शैक्षणिक स्तर का प्रजननता दर पर अधिक प्रभाव दिखाई देता है। अध्ययन क्षेत्र में प्रति स्त्री बच्चों की संख्या साक्षर पति (3.04प्रति स्त्री)की तुलना में निरक्षर पति (3.61प्रति स्त्री) में अधिक है । उल्लेखनीय है कि महिलाओं की तुलना में साक्षर एवं निरक्षर पतियों में प्रति स्त्री बच्चों की संख्या में अंतर अपेक्षाकृत कम है । जिले में प्राथमिक स्तर से कम साक्षर पतियों में 3.48 प्रति स्त्री बच्चों की संख्या है । प्राथमिक स्तर तक शिक्षित पतियों में यह दर घटकर 3.10 प्रति स्त्री तथा माध्यमिक स्तर पर 2.49 प्रति स्त्री हो गई है ।

पति के शैक्षणिक स्तर और प्रति स्त्री बच्चों की संख्या के मध्य विपरीत सहसंबंध (–.1889) पाया गया । यद्यपि यह महिलाओं के शैक्षणिक स्तर और प्रजननता के मध्य सहसंबंध की मात्रा (–.2508) से कम है । सारांश में, शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के साथ प्रजननता में कमी हुई है किन्तु पुरुषों की तुलना में महिलाओं के शैक्षणिक स्तर का प्रजननता पर अधिक प्रभाव पाया गया इसका कारण शिक्षित महिलाओं के पति का भी शिक्षित होना है। समान्यतः शिक्षित महिला अपने से अधिक शिक्षित पुरुष से विवाह करती है, अतः महिलाओं के शैक्षणिक स्तर का प्रजननता पर दो गुना प्रभाव होता है ।

lkj.kh 4

n|x ftyk % ifr dk 'k{kf.kd Lrj vkj ituurk

'k{kf.kd Lrj	efgykvk dh l[;k	ltho tUe cPp	ifr L=h cPp
हाई स्कूल ˙ उससे अधिक	339	833	2.46
माध्यमिक	343	856	2.49
प्राथमिक	465	1445	3.10
बिना षैक्षणिक स्तर के साक्षर	810	2817	3.48
कुल साक्षर	1957	5951	3.04
निरक्षर	590	2129	3.61
dy ;kx	2547	8080	3-17

स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण :

REFERENCES

Chandna R.C. and S. Sharma (1987) : "Education As a Determinant of Fertility", Population Geography Vol. 9 Nos. 1 & 2 , pp. 45-55

Driver, Edwin D (1963) : Differential Fertility in Central India. Princeton University Press, Princeton

Jain, S.P. (1973): Demography : " A status Study on Population Research in India, Tata Mc Graw-Hill Publishing Co., New Delhi

Leibenstein, Harvey (1975): Economic Backwardness and Economic Growth, John Wiley and Sons, New York.

Mandelbaum, David G (1974): Human Fertility in India , University of California Press, London.

Pant, J.C. (1992): "Educating Females for Controlling Population", The Indian Journal of Public Administration, Vol XXXVIII, No. 3 pp-121-128.

Spencer, Herbert (1868) : The Principles of Biology, New York, Appleton and Company Inc. New York.

कुमार, वि. (1990) : जनांकिकी , साहित्य भवन आगरा ।

चांदना, आर.सी. (1987): जनसंख्या भूगोल , कल्याणी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली ।

पंत, जीवन चन्द्र (1990): जनांकिकी , गोयल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ ।